



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3072]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 27, 2016/ पौष 6, 1938

No. 3072]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 27, 2016/PAUSA 6, 1938

## पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 2016

**का. आ. 4189(अ).**—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 1754(अ) तारीख 06 मई, 2016, जो भारत के असाधारण राजपत्र तारीख 12 मई, 2016, में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में (रोहतक स्परलाइन) हरियाणा राज्य में मेहसाना (गुजरात) से भटिण्डा (पंजाब) तक प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए जीएसपीएल इण्डिया गैसनेट लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन के अपने आषय की घोषणा की थी ;

और उक्त असाधारण राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 20.10.2016 तक उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात, और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर जीएसपीएल इण्डिया गैसनेट लिमिटेड में निहित होगा।

पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन अधिनियम, 1962 की धारा 10 के अध्वधीन किसी भी क्षतिपूर्ति के लिए जीएसपीएल इण्डिया गैसनेट लिमिटेड पूर्णतया उत्तरदायी होगी और पाइपलाइन से सम्बन्धित किसी भी मामले पर केन्द्रीय सरकार के विरुद्ध कोई वाद, दावा या कानूनी कार्यवाही नहीं हो सकेगी।

## अनुसूची

तहसील : हिसार

जिला : हिसार

राज्य : हरियाणा

क्रम सं.	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6

1 देवां 79 / / 19 / 4 00 02 48  
(एच.बी.नं.60)

तहसील : हौसी	जिला : हिसार	राज्य	हरियाणा
1 सुल्तानपुर	45 / / 9	00	00 40
(एच.बी.नं.138)	45 / / 10	00	00 40
2 उमरा	95 / / 19 / 2	00	01 19
(एच.बी.नं.137)	95 / / 22	00	00 40

तहसील : बांस	जिला : हिसार	राज्य	हरियाणा
मदनहेड़ी	191 / / 13	00	11 74
(एच.बी.नं.58)			

[फा. सं. एल-14014 / 18 / 2015-जीपी-II]

श्री प्रकाश अग्रवाल, अवर सचिव

## MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

## NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd December, 2016

**S.O. 4189(E).**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 1754(E), dated the 6 May, 2016, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), (hereinafter referred to as the said Act), published in the Extra Ordinary Gazette of India dated the 12<sup>th</sup> May, 2016, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline (Rohtak Spurline) In State of Haryana for transportation of Natural Gas from Mehasana (Gujarat) to Bhatinda (Punjab) by GSPL India Gasnet Limited;

And whereas copies of the said Extra Ordinary Gazette notification were made available to the public up to 20.10.2016;

And whereas the competent authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire right of user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the

Central Government, vest on the date of publication of the declaration, in GSPL India Gasnet Limited, free from all encumbrances.

GSPL India Gasnet Limited shall be exclusively liable for any compensation in terms of Section 10 of the P&MP Act, 1962 and no suit, claim or legal proceeding would lie against the Central Government on any matter relating to the pipeline.

**SCHEDULE****TEHSIL: HISAR****DISTRICT : HISAR****STATE : HARYANA**

Sr. No.	Name of Village	Khasara No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6

1	DEVA (H. B. NO. 60)	79//19/4	00	02	48
---	------------------------	----------	----	----	----

TEHSIL: HANSI		DISTRICT : HISAR	STATE : HARYANA		
1	SULTANPUR	45//9	00	00	40
	(H. B. NO. 138)	45/10	00	00	40
2	UMARA	95//19/2	00	01	19
	(H. B. NO. 137)	95//22	00	00	40

TEHSIL: BAANS		DISTRICT : HISAR	STATE : HARYANA		
1	MADAN HEDI (H. B. NO. 58)	191//13	00	11	74

[F. No. L-14014/18/2015-GP-II]

S. P. AGARWAL, Under Secy.